शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

बुधवार 10 जून 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 40 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

कर्नाटक में महिला को नशीला पदार्थ देकर गैंगरेप, 10 गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक के दावणगेरे जिले में 41 साल की महिला के साथ नशीला पदार्थ देकर गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि 3 जून की शाम दो लोगों ने मदद के बहाने महिला को सॉफ्ट ड्रिंक दी, जिसके बाद वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे गांव के बाहर एक खेत में ले जाया गया, जहां उसके साथ रेप किया गया। मामले का खुलासा तब हुआ जब आरोपियों का बनाया हुआ महिला का वीडियो सोशल मीडिया ग्रुपों में वायरल हो गया।

जम्मू-कश्मीर में जोजिला टनल में दोनों छोर आपस में जुड़े

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच बन रही जोजिला टनल की खुदाई मंगलवार को पूरी हो गई। टनल के बीच 2.5 मीटर ब्लॉक पत्थर को ब्लास्ट कर हटा दिया गया, जिससे टनल के दोनों छोर आपस में जुड़ गए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रिमोट दबाकर ब्लास्ट किया। उनके साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। यह टनल 13.15 किमी लंबी है, जो जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को सालभर सड़क मार्ग से जोड़ेगी।

जम्मू-कश्मीर में बीएसएफ की बस के ब्रेक फेल,4 घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में एनएच-44 पर बीएसएफ की बस के ब्रेक फेल हो गए। इसके बाद बस दो गाड़ियों से टकरा गई, जिससे क्र्स्न्न के 4 जवान घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के बाद ह॥-44 की अपट्यूब को बंद कर दिया गया है।

वेसल जहाज 'संशोधक' का प्रतीक चिह्न जारी किया

नईदिल्ली। भारतीय नौसेना ने मंगलवार को 'संशोधक' का क्रेस्ट जारी किया। यह 'सर्वे वेसल लार्ज' क्लास का चौथा जहाज है और देश की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता में एक और बड़ी उपलब्धि है।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

जयपुर में पटाखा गोदाम में आग,बच्चे समेत 7 की मौत

जलने के बाद सड़क पर तड़पते रहे, लोग देखते रहे; रिहायशी इलाके में था गोदाम

जयपुर | एजेंसी
rashtrabaan.in

जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में स्थित पटाखों के गोदाम में मंगलवार सुबह 11 बजे भीषण आग लग गई। अग्निकांड में बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई। एक मजदूर झुलस गया। मरने वालों में अब्दुल वाहिद (50), राबिल, बिलाल (30), समीर (20) और अजीम उर्फ आविद शामिल हैं। 2 मृतकों की शिनाख्त नहीं हुई है। वहीं नासिर एसएमएस हॉस्पिटल के बर्न वार्ड में भर्ती है। एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर आरके जैन ने बताया- नासिर 95% झुलस गया।

जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने बताया- पटाखों का गोदाम खोह नागोरियान में आयशा नगर तलाई क्षेत्र आईटीआई कॉलेज के पास है। कोई ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग लगी है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया- जहां हादसा हुआ, वो पटाखे रखने का गोदाम है। इसकी फैक्ट्री कुछ दूर है। पूरी जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। रिहायशी इलाके में गोदाम अवैध रूप से था। इसके मालिक के खिलाफ कार्रवाई होगी।

विधायक बोले- क्या पुलिस को पता नहीं था?

विधायक अमीन कागजी ने कहा- रिहायशी इलाके में बारूद का गोदाम होने का क्या पुलिस को नहीं पता था। लोग भी किसके दबाव में हैं, जो बोल नहीं रहे हैं। यह किसका है, किसका नहीं, इस पर भी कोई जवाब नहीं है। विधायक ने कहा कि अब जिम्मेदार कहेंगे मरने वाले राजस्थान के नहीं हैं, तो क्या जीवन उनका नहीं है। फेल्योर तो आपका है।

जहां गोदाम था, उस कॉलोनी की तहसीलदार-पटवारी से मांगी रिपोर्ट

अवैध पटाखा गोदाम जिस जगह संचालित किया जा रहा था, यह कॉलोनी पूरी तरह अवैध मानी जा रही है। क्षेत्र से संबंधित तहसीलदार और पटवारी से जिला प्रशासन ने रिपोर्ट मांगी है। वहीं, जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में अग्निकांड में मारे गए रामगंज निवासी अब्दुल वाहिद का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

ईरानी बोट्स पर हमले के लिए तैनात अमेरिकी हेलिकॉप्टर क्रैश

होर्मुज के पास हुआ हादसा; ट्रम्प बोले- दोनों पायलट सुरक्षित

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

अमेरिकी सेना का एक अपाचे हेलिकॉप्टर सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास क्रैश हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हेलिकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण गिरा या किसी हमले का शिकार हुआ। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले पर कल रिपोर्ट जारी की जाएगी।

अमेरिकी सेना होर्मुज स्ट्रेट में अपाचे हेलिकॉप्टर, एमक्यू-9 रीपर ड्रोन, एफ/ए-18 और एफ-35 लड़ाकू विमानों की मदद से सुरक्षा अभियान चला रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अपाचे हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल छोटे हथियारबंद बोट्स और ड्रोन के हमले रोकने के लिए किया जाता है।

ट्रम्प का दावा- कुछ दिनों में ईरान से समझौता हो सकता है

ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की बातचीत आखिरी दौर में पहुंच गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पर अगले कुछ दिनों में हस्ताक्षर हो सकते हैं। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि इस समझौते का मकसद ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। उनका दावा है कि समझौते पर हस्ताक्षर होते ही हॉर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोल दिया जाएगा।

इजराइल ने फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के दो कमांडर मारे

इजराइली सेना ने दावा किया है कि सोमवार को दक्षिणी गाजा में किए गए एक हमले में फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के दो कमांडर मारे गए। इजराइली सेना का कहना है कि दोनों उसके सैनिकों पर हमले की योजना बना रहे थे। सेना के मुताबिक मारे गए लोगों में इयाद मोहम्मद अब्द अल अजीज नाफेल शामिल हैं, जो संगठन की एलीट फोर्स का कमांडर था। दूसरा इंसान अहमद मारूफ था, जो एक ऐसे ग्रुप की लीडरशिप कर रहा था जिसने पहले इजराइल पर रॉकेट हमले किए थे।

अमेरिका में अपाचे हेलिकॉप्टर हादसे की जांच शुरू

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि सोमवार को हॉर्मुज स्ट्रेट में समुद्र में गिरे अपाचे हेलिकॉप्टर के दोनों पायलटों को सुरक्षित बचा लिया गया। सेंटकॉम के मुताबिक हादसे के करीब दो घंटे के अंदर दोनों सैनिकों को निकाल लिया गया। उनकी हालत स्थिर है और हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है। एबीसी न्यूज के मुताबिक बचाव के लिए एक मरीन ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इसने दोनों पायलटों को समुद्र से निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि टास्क फोर्स 59 के पास ऐसे कई मरीन ड्रोन हैं।

इजराइल के हमले में ईरान के दो सैनिकों की मौत

ईरान के सरकारी टीवी के मुताबिक सोमवार को इजराइल के हमले में एयर डिफेंस यूनिट के दो जवान मारे गए। ईरानी सेना ने बताया कि दोनों जवानों का अंतिम संस्कार मंगलवार को तेहरान में किया जाएगा। ईरान ने रविवार रात इजराइल के कई शहरों पर मिसाइल हमले किए थे, इसके बाद इजराइल ने भी पलटवार किया था। हालांकि बाद में दोनों तरफ से हमले रोकने की बात कही गई थी। इसके बाद ईरान ने साफ कहा है कि अगर इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर फिर हमला किया, तो वह भी दोबारा जवाबी कार्रवाई शुरू करेगा।

मानसून ने 13 राज्य कवर किए, कल मुंबई पहुंचेगा

यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं; एमपी-राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

मानसून 5 दिन में 13 राज्यों तक पहुंच गया है। सोमवार को तेलंगाना में एंट्री कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है। मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए।

केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं।

इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है।

केरलम में मानसून 4 जून को पहुंचा था। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में एंट्री कर ली। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था।

कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन पत्र खारिज

● बीजेपी का आरोप- तेलंगाना में दर्ज केस छिपाया; कांग्रेस बोली- केवल नोटिस मिला था

भोपाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश कोटे की तीसरी राज्यसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया है। बीजेपी की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफिसर ने ये फैसला लिया है। दरअसल, भाजपा का आरोप है कि मीनाक्षी ने तेलंगाना की हैदराबाद कोर्ट में लंबित एक मामले की जानकारी नामांकन पत्र में छिपाई है। पर्यवेक्षक ने कारण बताओ नोटिस जारी कर आज शाम तक जवाब मांगा था।

इधर, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि मीनाक्षी के खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण नहीं है। उन्हें कोर्ट से केवल एक नोटिस मिला था। नामांकन की जांच के दौरान विधानसभा परिसर में दोनों दलों के नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामे की स्थिति भी बनी। नारेबाजी और शोर-शराबे के बीच कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और विक्रांत भूरिया ने रिटर्निंग ऑफिसर के कमरे में घुसने की कोशिश की, जिसे पुलिस और विधानसभा के सुरक्षाकर्मियों ने रोक दिया। वहीं, कांग्रेस अपने विधायकों को बेंगलुरु शिफ्ट कर रही है। करीब दो घंटे की जद्दोजहद के बाद कांग्रेस की चार्टर्ड फ्लाइट को उड़ान के लिए परमिशन मिली।

विधायकों की शिकायत पर ममता के घर पहुंची सीआईडी

पुलिस आने के बाद एंट्री मिली; नेता विपक्ष के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप

कोलकाता | एजेंसी
rashtrabaan.in

टीएमसी में चल रहे विवाद के बीच मंगलवार को सीआईडी की टीम ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पहुंची। इसी परिसर में पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी है। शुरुआत में टीम को अंदर जाने से रोक दिया गया, लेकिन बाद में अतिरिक्त पुलिस बल की मौजूदगी में अधिकारियों ने परिसर में प्रवेश किया।

टीएमसी के पूर्व सांसद सुभाषिश चक्रवर्ती ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में तलाशी की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि अभिषेक के आने के बाद एजेंसी जांच कर सकती है।

दरअसल, पार्टी के कुछ बागी विधायकों ने स्पीकर को शिकायत भेजी थी। उनका आरोप है कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता विपक्ष बनाने के प्रस्ताव पर अभिषेक बनर्जी के लेटरहेड का इस्तेमाल किया गया और उस पर फर्जी साइन किए गए। विधायकों ने अभिषेक पर ही फर्जी दस्तखत कराने का आरोप लगाया है।

अभिषेक के जवाब के आधार पर पहुंची टीम

सीआईडी अधिकारियों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी ने एजेंसी के नोटिस के जवाब में बताया था कि विधायकों के हस्ताक्षर 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित टीएमसी के केंद्रीय कार्यालय में जुटाए गए थे। यह कार्यालय ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास परिसर में ही है। इसी जानकारी के आधार पर जांच टीम वहां पहुंची। इससे पहले सोमवार को सीआईडी की टीम अभिषेक बनर्जी के घर भी पहुची थी।

प्रति व्यक्ति सुरक्षा खर्च 1% बढ़ा, तो क्राइम 0.36% घटा, एसबीआई की 28 राज्यों पर स्टडी

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

देश की अर्थव्यवस्था और अपराध में गहरा रिश्ता है। अपराध में महज 1% की कमी से अल्पकाल में वास्तविक जीडीपी (विकास दर) 0.11% और दीर्घकाल में 0.133% तक बढ़ जाती है। एसबीआई रिसर्च ने देश के 28 राज्यों की स्टडी के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है।

जब सरकार प्रति व्यक्ति के हिसाब से अपने सुरक्षा खर्च में 1% की बढ़ोतरी करती है, तो उस राज्य में अपराध दर लगभग 0.36% घट जाती है। मतलब ये है कि सुरक्षा पर जितना ज्यादा खर्च होगा, जुर्म उतना ही कम होगा।

वहीं, जिन शहरों में सीसीटीवी कैमरों से जितना ज्यादा इलाका कवर किया गया है, वहां अपराध अपेक्षाकृत कम है। महिला के खिलाफ अपराध जहां जितने ज्यादा हैं, वहां वर्कफोर्स में उनकी हिस्सेदारी कम है।

पिछले वर्ष की तुलना में अपराध 6.0% कम: 2024 में देश में कुल 58.86 लाख संज्ञेय (हत्या, दुष्कर्म आदि) अपराध दर्ज हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.0% कम हैं। अखिल भारतीय अपराध दर प्रति लाख आबादी पर वर्ष 2023 के 448.3 से गिरकर 2024 में 418.9 हो गई है। राज्यों में केरल में प्रति लाख आबादी पर सबसे अधिक 1,389 संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए। नगालैंड में प्रति लाख आबादी पर सबसे कम 61.6 अपराध दर्ज किए गए। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 1.5% की गिरावट आई है, जो 2023 के 4.48 लाख मामलों से घटकर 2024 में 4.41 लाख रह गए। अपराध में इस गिरावट से भी अर्थव्यवस्था को सहारा मिला है।

2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए; पाकिस्तान से 20 ज्यादा

भारत ने पहली बार 12 परमाणु बम तैनात किए

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है। रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता। एसआईपीआरआई और दूसरी संस्थाएं केवल अनुमान के आधार पर रिपोर्ट जारी करती हैं।

दुनिया के 9 देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार

एसआईपीआरआई इयरबुक 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतियोगिता के दौर में पहुंच रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं। 2026 की शुरुआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से 9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रिपोर्ट के पॉइंट्स जो भारत से जुड़े

दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश: 2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयात करने वाला देश: 2021-25 के दौरान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक भी रहा। वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2% रही। यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की संयुक्त हिस्सेदारी 35% रही।

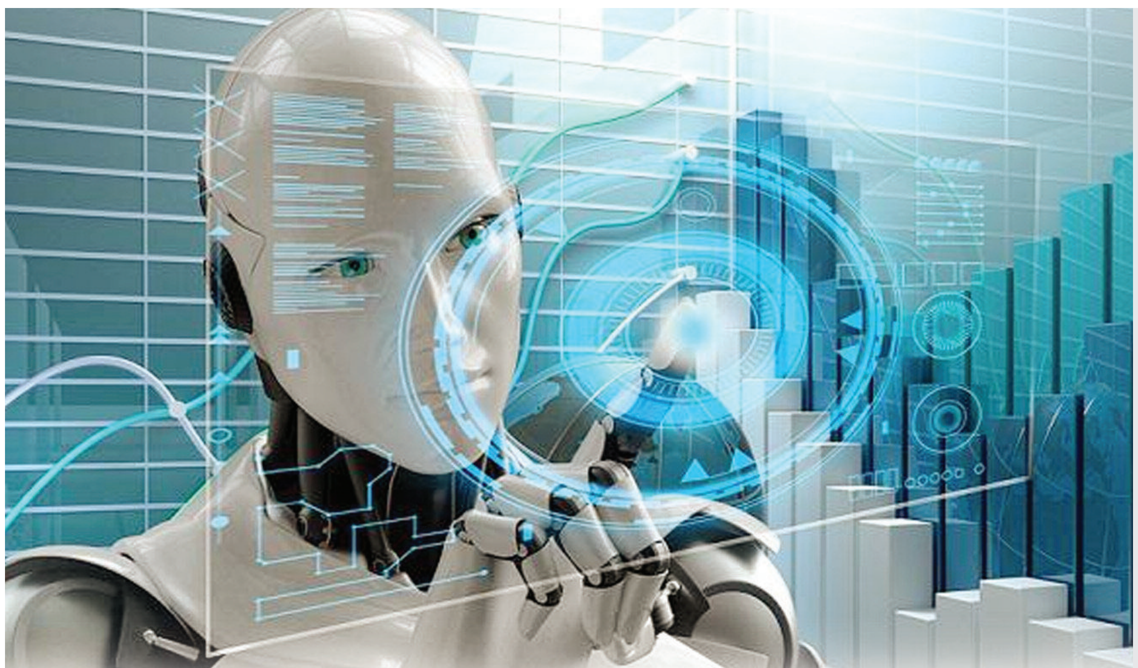

युवाओं को नई संभावनाएं दे रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

कुछ साल पहले तक कुछ ऐसे खेल थे, जिसमें इंसानों को हरा पाना कंप्यूटर के लिए नामुमकिन समझा जाता था। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई तकनीक ने मशीनों के लिए जटिल निर्णयों को समझना मुमकिन बना दिया है। इस तकनीक ने पांव पसारे हैं तो इसके विशेषज्ञों की भी जरूरत पड़ेगी ही। इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट युवाओं को यह विशेषज्ञता क्षेत्र नई संभावनाएं दे रहा है। परंपरागत इंजीनियरिंग क्षेत्रों की अपेक्षा इस क्षेत्र में प्रतियोगिता अभी कम है।

फिक्की और नैसकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार एआई की वजह से भारत के 5 प्रमुख औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में तकनीकी विस्तार को बढ़ावा मिलेगा। एआई की वजह से आईटी, रिटेल, फाइनेंस, टेक्सटाइल और ऑटो सेक्टर में बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा होंगी। एक आम धारणा है कि एआईसे कर्मचारियों की जरूरत कम हो जाएगी, लेकिन विशेषज्ञों की राय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रयोग से ऐसे लोगों की जरूरत भी बढ़ेगी, जो इन मशीनों को संभाल सकें और उनका निर्माण भी कर सकें।.

क्या है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वह तकनीक है, जिसमें एक कंप्यूटर प्रोग्राम दिए जा रहे निर्देशों को समझने के बाद उन्हें संरक्षित करता है और उनके आधार पर भविष्य की जरूरतों को समझते हुए निर्णय देता है। एआई ने मशीनों के बीच संवाद को भी मुमकिन बना दिया है। असल में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' ने रोबोटिक्स की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। रोबोट में अब इस तकनीक के चलते नया सीखने की क्षमता आ गई है। अब वह बहुत से काम करने का निर्णय खुद भी ले सकता है।

निवेश बढ़ा रहा रोजगार

गूगल, फेसबुक और लिंक्डइन जैसी तकनीकी क्षेत्र की अग्रणी कंपनियां एआई तकनीक में निवेश कर रही हैं और लोगों को रोजगार के अवसर दे रही हैं। स्मार्टफोन की तर्ज पर अब एआई तकनीक को हरेक उपकरण के साथ लाने की कोशिश की जा रही है। 'फोरेस्टर रिसर्च' की एक रिपोर्ट कहती है कि एआई तकनीक का मौजूदा बाजार तीन गुणा बढ़ कर सालाना 12 खरब डॉलर का हो जाएगा। हरेक क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ रहा है,जो इस तकनीक के जानकार उम्मीदवारों के लिए अच्छा संकेत है।.

नौकरियों का बदलेगा स्वरूप

उद्योग जगत में जिन नौकरियों के लिए उच्च कौशल की जरूरत होती है, उनकी मांग बनी रहेगी। लेकिन कुछ नौकरियों का ऑटोमेशन के चलते स्वरूप बदलेगा। इसलिए अपनी उपयोगिता बनाए रखने के लिए उम्मदीवारों को अपना तकनीकी कौशल बढ़ाने पर ध्यान देना होगा।.

शोध को दिया जा रहा बढ़ावा

देश के इतिहास में पहली बार इस साल आम बजट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जिक्र किया गया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सरकार पीएम रिसर्च फेलोशिप के तहत एक हजार बेहतरीन छात्रों को चुनेगी। इस फेलोशिप के लिए बीटेक फाइनल इयर के बेहतरीन छात्रों को चुना जाएगा। अब देश के सभी तकनीकी संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर शोध, पढ़ाई और आविष्कार को बढ़ावा देने की योजना है। अटल इनोवेशन मिशन के साथ इसकी शुरुआत हो गई है। साल के आखिर तक लगभग 2 हजार स्कूलों में छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा के लिए लैब की सुविधा दे दी जाएगी। देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशाल स्तर पर शोध होंगे। इस पर 1000 करोड़ रुपयों से अधिक खर्च करने की योजना है।

क्या हो शैक्षिक योग्यता

कंप्यूटर और गणित की आधारभूत शिक्षा प्राप्त छात्र एआई में करियर बना सकते हैं। कंप्यूटर साइंस से ग्रेजुएट उम्मीदवार भी इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। इसके लिए बीएससी (कंप्यूटर साइंस) के साथ एआई में विशेषज्ञता कोर्स को चुनना ठीक रहेगा। इंजीनियरिंग के छात्र एआई में विशेषज्ञता

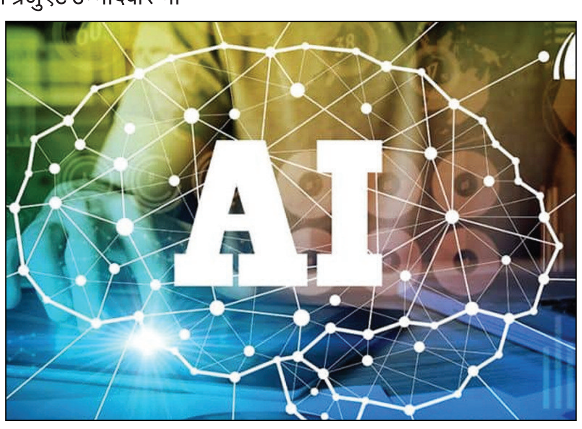

अर्जित कर आगे बढ़ सकते हैं। मास्टर स्तर पर एआईके कोर्सआईआईटी मुंबई, मद्रास यूनिवर्सिटी व कुछ अन्य बड़े संस्थानों में उपलब्ध हैं। एआई से संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए आईआईआईटी, इलाहाबाद; बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची; इग्नू का भी रुख कर सकते हैं। कुछ मुफ्त ऑनलाइन कोर्सेज हैं–इंट्रोडक्शन टु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर रोबोटिक्स (उडेसिटी), मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क फॉर मशीन लर्निंग, कंप्यूटेशनल न्यूरोसाइंस (कोर्सेरा).

किन पदों पर मिलता है रोजगार

एआई तकनीक के माहिर लोगों को शुरुआती स्तर पर सॉफ्टवेयर एनालेटिक्स, रोबोटिक्स प्रोग्रामर्स, एल्गोरिद्म स्पेशलिस्ट, गेमिंग क्षेत्र में प्रोग्रामर्स, सर्च इंजन में एनालेटिक्स जैसे पदों पर नौकरी मिल सकती है। जानकार उम्मीदवारों को शोध–संस्थानों, ऑटोमोबाइल्स, इंडस्ट्रियल टूल्स व निजी क्षेत्र में नौकरियां मिलने की उम्मीद रहती है। इसके अलावा जिन उम्मीदवारों ने रोबोटिक्स तकनीक की पढ़ाई की है, वे रोबोट टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर कंट्रोल्ड मशीन प्रोग्रामिंग, रोबोटिक सेल्स में भी नौकरी पा सकते हैं।

स्किल बढ़ाने पर हो ध्यान

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित शोध पढ़ें। इससे जुड़ी समझ से खुद को दुरुस्त रखें। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी में मौजूद शोध पत्र पढ़ सकते हैं।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए लीनियर एल्जेब्रा, प्रोबेबिलिटी, सांख्यिकी और अन्य गणितीय ज्ञान की जरूरत होती है। ज्यादा समय 'एल्गोरिद्म' (गणितीय सिद्धांत) को समझने में बिताएं और जानें कि वह कैसे काम करता है और उसे बेहतर कैसे बना सकते हैं।
- नौकरियों के लिए इंटरव्यू में जाने से पहले खुद से एक सवाल करें कि क्यों आप एआई और इससे संबंधित तकनीक जैसे मशीन लर्निंग में जाना चाहते हैं। इंटरव्यू के शुरुआती दौर में यह सवाल पूछा जाएगा और आपको इसका जवाब पता होना चाहिए।.
- स्कूल को बेहतर बनाने के लिए ऑनलाइन कोर्सेस का सहारा लें।

इन पेशेवरों की है मांग

मैन–मशीन टीमिंग मैनेजर

भविष्य में कंपनियों की तरक्की इस पर निर्भर होगी कि वे मशीन और मानव के श्रम का कितना अच्छा उपयोग कर रही हैं। इस काम के लिए मैन–मशीन टीमिंग मैनेजर जैसी नौकरियां पैदा होंगी, जो मशीन व व्यक्ति के बीच के सामंजस्य बनाएंगे।.ये इंजीनियरिंग और ह्यूमन रिसोर्स दोनों के जानकार होंगे, जो अपनी कंपनी के लिए मशीन और मानव दोनों के बेहतर इस्तेमाल की रणनीति तैयार करेंगे।.

एथिकल सोर्सिंग ऑफिसर व डेटा डिटेक्टिव

ये एआई को लेकर बने नियमों को लागू करवाने का काम करेंगे। इस तरह एआई तकनीक के दुरुपयोग को रोका जा सकेगा। यह एथिकल हैकर से मिलता–जुलता काम होगा।. यह पेशेवर डेटा डिटेक्टिव संसर्स, बायोमेट्रिक मॉनिटर्स, कंप्यूटिंग से पैदा होने वाले डेटा के अध्ययन से बिजनेस से जुड़ी समस्याओं का हल निकालेंगे।.

एआई बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर

ये पेशेवर एआई को आधार बनाकर मार्केटिंग व सेल्स की योजना तैयार करेंगे या फिर व्यावसायिक योजनाओं में इस तकनीक की भूमिका निर्धारित करेंगे।

युवाओं के लिए आकर्षक कॅरियर फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड एक ऐसा विषय है जिसमें सभी की दिलचस्पी रहती है। खास बात यह है कि इस क्षेत्र में कभी भी मंदी का दौर नहीं आता। यही कारण है कि इसमें अब युवाओं की दिलचस्पी ज्यादा बढ़ रही है, इसलिए फूड टेक्नोलॉजी आज के युवाओं के लिए एक आकर्षक कॅरियर के रूप में सामने आ रहा है। इस क्षेत्र में संभावनाओं की कभी कमी नहीं होती।

प्रोसेस्ड फूड तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां दुनियाभर से जब भारत का रुख कर रही हैं, लेकिन फिक्की की एक रिपोर्ट के मुताबिक फूड प्रोसेसिंग के कारोबार में भारत में कुशल लोगों की कमी है। ऐसे में आने वाले समय में फूड टेक्नोलॉजी का भविष्य बहुत ही सुनहरा होने वाला है। आकड़ो की मानें तो आने वाले कुछ सालों में यह इंडस्ट्री इस रफ्तार से बढ़ेगी कि इसमें रोजगार की कोई कमी नहीं होगी।

योग्यता– यदि आप फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी अथवा मैथमेटिक्स विषयों के साथ 10+2 में कम से कम 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। एमएससी कोर्स करने के लिए फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री भी आवश्यक होती है।

दो भागों में बंटा है ये क्षेत्र

मैनुफैक्चर्ड प्रोसेसेज : इस प्रक्रिया के जरिए कच्चे कृषि उत्पादों और मीट आदि पशु उत्पादों के भौतिक स्वरूप में बदलाव लाया जाता है। इससे यह उत्पाद खाने और बिक्री योग्य बन जाते हैं।

वैल्यु एडेड प्रोसेसेज : इसके जरिए कच्चे खाद्य उत्पादों में कई ऐसे बदलाव किए जाते हैं। जिससे वह ज्यादा समय के लिए सुरक्षित रहते हैं और कभी भी खाने लायक बन जाते हैं। उदाहरण के लिए टमाटर से बने सॉस और दूध से तैयार आईसक्रीम जैसे उत्पादों को देखा जा सकता है।

अवसर – इस कोर्स के बाद आपके पास नौकरी के कई सारे विकल्प होते हैं। आप फूड प्रोसेसिंग यूनिटों, रिटेल कंपनियों, होटल, एग्री प्रोडक्टस बनाने वाली कंपनियों से जुड़ सकते हैं। या फिर खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांचने, उनके निर्माण कार्य की निगरानी करने और खाद्य वस्तुओं को संरक्षित करने की तकनीकों पर काम करने वाल प्रयोगशालाओं से भी जुड़ सकते हैं।

वेतनमान – इस क्षेत्र में आप शुरुआती स्तर पर आप 8 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। सालों के अनुभव के बाद 30 हजार रुपये प्रतिमाह या इससे भी ज्यादा कमाया जा सकता है। यदि आप स्वरोजगार से जुड़ते हैं, तो आपकी कमाई और बढ सकती है। इस क्षेत्र में सैलरी और काम दोनों दिलचस्प होते हैं।

किस तरह की होती है पढ़ाई

जिस तरह अलग–अलग खाने को देखकर मने मं दिलचस्पी बढ़ती है उसी तरह फूड टेक्नोलॉजी में पढ़ाई जाने वाली पढ़ाई भी बहुत दिलचस्प होती है। फूड टेक्नोलॉजी तथा इससे संबंधित कोर्सेज के अंतर्गत खाद्य पदार्थों के उचित रख–रखाव से लेकर पैकेजिंग, फ्रीजिंग आदि की तकनीकी जानकारियां शामिल होती हैं। इसके अंतर्गत पोषक तत्वों का अध्ययन, फल, मांस, वनस्पति व मछली प्रसंस्करण आदि से संबंधित जानकारियां भी दी जाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट का काम

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के तहत वे सभी कार्य शामिल हैं, जिनसे प्रोसेस्ड फूड जैसे– मक्खन, सॉफ्ट ड्रिंक, जेम व जेली, फ्रूट जूस, बिस्कुट, आइसक्रीम आदि की गुणवत्ता, स्वाद और रंग–रूप बरकरार रह सके। इसके अलावा वह कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता, स्टोरेज तथा हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है। वह कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। कच्चे माल से लेकर प्रोडक्ट तैयार होने तक कंपनी को उसकी हर स्तर पर जरूरत होती है। ग्लोबल स्तर पर कंपनी का भविष्य फूड टेक्नोलॉजिस्ट पर ही निर्भर रहता है।

क्या है जरूरत

फूड टेक्नोलॉजिस्ट का जरूरत आज सभी देशों को है। इसका उद्देश्य लोगों को ऐसी खाघ सामग्री पहुंचाना है जो क्वालिटी और स्वाद के साथ–साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर हो।

प्रमुख कोर्स

- बीएससी (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी
- बीटेक फूड टेक्नोलॉजी
- एमटेक फूड टेक्नोलॉजी
- पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- एमबीए (एग्री बिजनेस मैनेजमेंट)

रोजगार का बेहतरीन विकल्प है फॉरेंसिक अकाउंटिंग

देश में आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सत्यम (अब महिंद्रा सत्यम) में हुए बड़े वित्तीय घोटाले का मामला हो या फिर आए दिन सामने आने वाले आर्थिक साइबर अपराधों, मनी लॉन्डरिंग, बीमा, बैंकिंग और निवेश से संबंधित घोटालों आदि के खुलासे की बात, इनकी प्रभावी जांच के लिए फॉरेंसिक अकाउंटिंग की जरूरत होती है। बढ़ते आर्थिक अपराधों के इस दौर में फॉरेंसिक अकाउंटिंग के पेशेवरों का महत्व और उनकी मांग काफी बढ़ गई है। इस कारण इसे भविष्य के लिहाज से रोजगार का एक बेहतरीन विकल्प माना जा सकता है।

क्या है फॉरेंसिक अकाउंटिंग

यह अकाउंटिंग की ही एक शाखा है, जिसमें कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए अकाउंटिंग के सिद्धांतों के साथ ऑडिटिंग और जांच–पड़ताल के हुनर का इस्तेमाल किया जाता है। यह काम करने वाले पेशेवरों को फॉरेंसिक अकाउंटेंट कहा जाता है। वह अनुभवी ऑडिटर होते हैं और वित्तीय घपलों का पता लगाने के लिए किसी व्यावसायिक संस्थान (कंपनी, फर्म) के खातों (अकाउंट्स) पर निगरानी रखने का कार्य करते हैं। फॉरेंसिक अकाउंटिंग के लिए सबसे जरूरी होती है अकाउंटिंग की अच्छी जानकारी। इसके बाद ऑडिटिंग, रिस्क असेसमेंट और फ्रॉड डिटेक्शन (घपलों को पहचानना) आदि की व्यावहारिक समझ को इस पेशे में आवश्यक माना जाता है। इस पेशे से जुड़े लोगों को अपने अकाउंटिंग, ऑडिटिंग और खोजबीन के हुनर से आर्थिक घोटालों से संबंधित साक्ष्यों का विश्लेषण करके उनका अर्थ निकालना होता है। किसी मामले की अदालती कार्यवाही में वह बतौर विशेषज्ञ गवाह के रूप में भी योगदान दे सकते हैं। किसी कानूनी विवाद में लिप्त लोगों या फर्मों के मामले में फॉरेंसिक अकाउंटेंट की मुख्य भूमिका संबंधित वित्तीय रिकार्डों (दस्तावेज) की जांच और उनका विश्लेषण करना होता है। इस कार्य के दौरान वह उन सबूतों को भी जुटाते हैं, जो जांच एजेंसियों को कानूनी प्रक्रिया में मदद देते हैं।

प्रमुख कार्य

- वित्तीय साक्ष्यों की जांच और उनका विश्लेषण करना।
- साक्ष्यों (वित्तीय) की प्रस्तुति और उनके विश्लेषण में मदद के लिए कंप्यूटर आधारित एप्लिकेशन तैयार करना।
- जांच में मिलने वाले तथ्यों को रिपोर्ट और दस्तावेजों के संग्रह के रूप में प्रस्तुत करना।
- अदालत की कार्यवाही में मदद करना यानी न्यायालय में विशेषज्ञ के रूप में गवाही देना और सबूतों को मजबूत करने के लिए दृश्यात्मक सामग्री उपलब्ध कराना।

जरूरी हैं फॉरेंसिक अकाउंटेंट

आमतौर पर सभी बड़ी अकाउंटिंग फर्मों में फॉरेंसिक अकाउंटेंट की जरूरत होती है। इन फर्मों में उनका कार्य कंपनियों के बीच होने वाले गठजोड़ों और अधिग्रहण समझौतों की जांच करना, विशेष ऑडिट करना, आर्थिक अपराधों तथा टैक्स की गड़बड़ी से संबंधित मामलों की जांच करना होता है। तलाक, व्यापार और दुर्घटनाओं से संबंधित क्लेम के मामलों की जांच में भी फॉरेंसिक अकाउंटेंट की जरूरत होती है। वह अपनी इच्छा के अनुसार नौकरी के लिए सरकारी या निजी क्षेत्र की कंपनियों का रुख कर सकते हैं।

प्रमुख रोजगारदाता क्षेत्र

- पब्लिक अकाउंटिंग फर्म
- प्राइवेट कॉर्पोरेशंस
- बैंक
- पुलिस एजेंसियां
- सरकारी एजेंसियां
- इंश्योरेंस कंपनियां
- लॉ फर्म

जरूरी गुण

- गहन विश्लेषणात्मक कौशल
- जांच–पड़ताल का हुनर
- तथ्यों को बारीकी से जानने की इच्छा
- कसी दबाव में न आते हुए काम को पूरा करने की दृढ़ता
- अपने काम के प्रति पूर्ण निष्ठा
- जिज्ञासा
- रचनात्मक सोच

उपलब्ध पाठ्यक्रम

- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फॉरेंसिक अकाउंटिंग
- सर्टिफिकेट कोर्स इन फॉरेंसिक अकाउंटिंग प्रोफेशनल
- सर्टिफाइड एंटी–मनी लॉन्डरिंग एक्सपर्ट
- सर्टिफाइड बैंक फॉरेंसिक अकाउंटिंग
- सर्टिफाइड विजिलेंस एंड इंवेस्टिगेशन एक्सपर्ट

योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री प्राप्त हो
- दो से चार साल का पेशेवर अनुभव हो
- इंडिया फॉरेंसिक द्वारा आयोजित सीएफएपी परीक्षा न्यूनतम 75 फीसदी अंकों के साथ पास हो (सीपीए एक प्रोफेशनल डिग्री है, जो भारत में सीए की तरह है, इसे अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स जारी करता है।)

संबंधित संस्थान

- द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट्स ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा
- इंडिया फॉरेंसिक, पुणे

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 10 जून 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

बालाघाट में केंद्र-राज्य सरकार के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन: नीट पेपर लीक पर घेरा

विधायक पटेल बोले- विपक्ष कमजोर नहीं, सड़क से संसद तक लड़ेंगे

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के वारासिवनी में कांग्रेस ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन किया। आंदोलन के दौरान कानून-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अनुविभाग क्षेत्र के तीनों थानों सहित बालाघाट डीआरपी लाइन से भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

विधायक ने खुद बैलगाड़ी चलाकर जताया विरोध

आंदोलन की शुरुआत में कांग्रेस कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक, किसान और युवा बड़ी संख्या में विधायक विवेक पटेल के जनसंपर्क कार्यालय पर एकत्रित हुए। इसके बाद वहां से एक विशाल आक्रोश रैली निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जयस्तंभ चौक पहुंची।

इस दौरान विधायक विवेक पटेल स्वयं अपने एक साथी के साथ बैलगाड़ी चलाते हुए प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे, जो आकर्षण का केंद्र रहा। जयस्तंभ चौक पर आयोजित जनसभा में कांग्रेस और किसान नेताओं ने जनता के अधिकारों को लेकर हुंकार भरी।

नीट पेपर लीक और बढ़ती छात्र आत्महत्याओं पर उठाए सवाल

जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक विवेक पटेल ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि नीट से लेकर देश की अन्य प्रमुख परीक्षाओं के पेपर लगातार लीक हो रहे हैं, जिससे युवाओं का भविष्य अंधकार में है और हताश छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं। इसके बावजूद सरकार इस गंभीर विषय पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि सरकार अपनी नाकामियों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

किसानों की लागत हुई दोगुनी, खाद-बिजली का संकट

विधायक पटेल ने तंज कसते हुए कहा कि सरकार देश के आम नागरिकों को घूमने और सोना खरीदने से मना कर रही है, जबकि प्रधानमंत्री खुद लगातार विदेश यात्राएं कर रहे हैं। उन्होंने दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों की आय तो दोगुनी नहीं हुई, लेकिन खेती की लागत जरूर दोगुनी हो गई है। आज किसानों को समय पर खाद नहीं मिल रही है, कीमतें आसमान छू रही हैं और सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। विपक्ष कमजोर नहीं, सड़क से संसद तक लड़ेंगे लड़ाई इस दौरान विधायक ने कहा कि किसानों, युवाओं, बेरोजगारों और आम जनता के हक की लड़ाई लड़ने के लिए ही कांग्रेस ने यह कदम उठाया है। सत्ता पक्ष यह गलतफहमी निकाल दे कि विपक्ष कमजोर है। कांग्रेस इसी तरह सड़क पर उतरकर जनता की आवाज बुलंद करती रहेगी और सोई हुई सरकार को जगाने का काम करेगी।

बुजुर्ग ने सड़क भूमि पर कब्जे का लगाया आरोप

स्वसहायता समूह ने खाद्यान्न-मानदेय न मिलने की शिकायत की, बालाघाट जनसुनवाई में मिले 80 आवेदन

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 100 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याएं रखीं। इसमें सड़क भूमि पर अतिक्रमण, खाद्यान्न आपूर्ति में अनियमितता और स्कूल प्रवेश से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं।

नाती के प्रवेश को लेकर पहुंचे वृद्ध

जनसुनवाई में अरविंद कुमार पटले नाम के वृद्ध बैसाखी के सहारे पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके बेटे-बहू नहीं हैं और उनका नाती पहले बरघाट में उनके साथ रहकर एक्सीलेंस स्कूल में पढ़ता था। अब वे पैर की बीमारी के कारण कटंगी में रिश्तेदारों के पास रहकर नाती को पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन उसे सांदीपनी स्कूल में प्रवेश नहीं मिल रहा है। उन्होंने कलेक्टर से प्रवेश दिलाने की मांग की।

सड़क निर्माण में अनियमितता के आरोप

लांजी से आए 80 वर्षीय ताराचंद भंडारकर ने सड़क निर्माण से जुड़े मामलों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सड़क के लिए अधिग्रहित जमीन का उपयोग नहीं किया गया और अन्य स्थान पर निर्माण कर दिया गया, जिससे करोड़ों की भूमि प्रभावित हुई। उन्होंने इस मामले की कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई न होने की बात कही और जांच की मांग की।

भोजन और मानदेय भुगतान में देरी की शिकायत

स्वसहायता समूह की अध्यक्ष कविता लाड़े ने भी जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी में भोजन प्रदाय की राशि पिछले छह माह से लंबित है और खाद्यान्न आपूर्ति भी समय पर नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि रसोइयों को मिलने वाला 500 रुपये मासिक मानदेय भी कई महीनों से नहीं दिया गया है। उन्होंने भुगतान समय पर करने और व्यवस्था सुधारने की मांग की।

बालाघाट में मनाया गया बिरसा मुंडा का शहादत दिवस : पूजन और माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया पौधारोपण

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में मंगलवार को आदिवासी समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जननायक बिरसा मुंडा का शहादत दिवस मनाया। इस दौरान समाज के लोगों ने पूजन और माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मुख्य कार्यक्रम जिला अस्पताल के पास स्थित बिरसा मुंडा चौक पर आयोजित किया गया। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रानी दुर्गावती चौक पर पौधारोपण भी किया। आयोजन में बड़ी संख्या में युवा और समाजजन शामिल हुए।

संघर्ष और बलिदान को किया याद

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्षों को याद किया। बताया गया कि उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित करने और जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा के लिए आंदोलन चलाया था। इतिहास के अनुसार, उन्हें 3 मार्च 1900 को गिरफ्तार किया गया था। बाद में 9 जून 1900 को रांची जेल में 25 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था।

समाज की एकता पर दिया जोर

दिनेश धुर्वे ने कहा कि बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने समाज की एकता को मजबूत करने और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि आगामी समय में आदिवासी संस्कृति, परंपरा और विरासत से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए परिषद की एक बैठक आयोजित की जाएगी। साथ ही 2027 की जनगणना में आदिवासी धर्मकोड को शामिल करने की मांग भी दोहराई गई।

संगठनों ने किया आयोजन

सत्येन्द्र इनवाती ने कहा कि बिरसा मुंडा के संघर्षों ने आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से शहादत दिवस का आयोजन किया गया।

मृत्यु को लेकर इतिहासकारों में अलग-अलग मत

इतिहास में दर्ज अभिलेखों के अनुसार, ब्रिटिश प्रशासन ने बिरसा मुंडा की मृत्यु का कारण हैजा बताया था। वहीं कुछ इतिहासकारों ने इस विषय पर अलग मत व्यक्त किए हैं और उनकी मृत्यु की परिस्थितियों पर सवाल उठाए हैं। हालांकि इस संबंध में विभिन्न ऐतिहासिक दृष्टिकोण मौजूद हैं।

चरेगांव वन परिक्षेत्र में हुआ चरवाहा सम्मेलन

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

लामता के चरेगांव क्षेत्र के वन परिक्षेत्र अंतर्गत गाय चराने वाले चरवाहों के लिए एक विशेष सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में चरवाहा समुदाय के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य वन क्षेत्रों में पशु चराने वाले लोगों को वन विभाग के नियमों जंगल संरक्षण वन्यजीव सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित चरवाहों को विधिवत जानकारी देते हुये वन क्षेत्र में संचालित होने वाली विभिन्न गतिविधियों, शासन के निर्देशों एवं वन संरक्षण के महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये रेंजर शिवम पुरी गोस्वामी ने कहा की जंगल प्राकृतिक संपदा का अमूल्य खजाना है और इनके संरक्षण में स्थानीय ग्रामीणों तथा चरवाहों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने बताया कि जंगलों में अवैध कटाई, वन्यजीवों का शिकार, आगजनी तथा अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिये वन विभाग लगातार कार्य कर रहा है।

ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात एसआई को वाहन चालक ने घसीटा

घायल अस्पताल में भर्ती ; सब-इंस्पेक्टर का मेनपैक सेट लेकर चालक फरार

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में हेलमेट और वाहन चेकिंग के दौरान सब-इंस्पेक्टर (एसआई) को वाहन चालक ने घसीटा। घटना में घायल एसआई रामभजन साहू का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना सोमवार देर शाम मोतीनगर चौराहे पर हुई।

यातायात ड्यूटी पर तैनात एसआई रामभजन साहू अपने स्टाफ के साथ मोतीनगर चौक पर नियमित वाहन चेकिंग अभियान चला रहे थे। इसी दौरान मोतीतालाब के नीचे वाली सड़क से एक बाइक तेज गति से चौक की ओर आती दिखी। उस समय एक महिला सड़क पार कर रही थी। महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसआई साहू ने बाइक चालक को रोकने का इशारा किया और सीटी बजाई।

एसआई का मेनपैक सेट लेकर चालक फरार

घटना देखकर मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मी तुरंत उनकी ओर दौड़े, लेकिन तब तक बाइक चालक एसआई का मेनपैक सेट लेकर मौके से फरार हो चुका था। घायल एसआई को तत्काल यातायात पुलिस के वाहन से बालाघाट जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना के बाद यातायात पुलिस और कोतवाली पुलिस ने फरार बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

वाहन चालक ने जानबूझकर टक्कर मारी

जिस हाथ से एसआई साहू बाइक रोकने का प्रयास कर रहे थे, उसी हाथ में उनका मेनपैक सेट भी था। तेज रफ्तार बाइक चालक ने वाहन रोकने के बजाय सीधे एसआई को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सब-इंस्पेक्टर का हाथ बाइक के हैंडल में फंस गया, जिससे वे वाहन के साथ सड़क पर घसीटते चले गए। हादसे में उनके दोनों पैरों के घुटनों और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं।

लालबर्रा में कत्लखाना जाने से छुड़ाये गये 48 मवेशियों के मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जप्त पशुओं की वर्तमान अभिरक्षा व्यवस्था यथावत रखने के आदेश

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

विगत माह जिले के लालबर्रा थाना क्षेत्र में 6 पिकअप वाहनों से व कुछ मवेशी रस्सी के गाथा में बंधे हुए एक ही स्थान से बरामद कुल 48 मवेशी बैलों के मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

माननीय न्यायमूर्ति राजेन्द्र कुमार वाणी की अदालत में प्रस्तुत विविध आपराधिक प्रकरण क्रमांक 25276/2026 में न्यायालय ने संबंधित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की लंबित रिवीजन याचिका का निराकरण 30 दिनों के भीतर करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि निर्णय होने तक जप्त पशुओं की वर्तमान अभिरक्षा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

गौवंश रक्षण समिति ने दायर की थी याचिका

मामले में गौवंश रक्षण समिति द्वारा याचिका दायर की गई थी, याचिका कर्ता की ओर से अधिवक्ता संकल्प कोचर एवं अजय माहेश्वरी ने पक्ष रखा, जबकि राज्य शासन की ओर से अधिवक्ता डी.आर. विश्वकर्मा एवं मानस मणि वर्मा ने पैरवी की। याचिका में कहा गया था कि लालबर्रा थाना क्षेत्र में पकड़े गए मवेशियों के संबंध में पूर्व में पारित आदेश के विरुद्ध अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में रिवीजन याचिका लंबित है। याचिका कर्ता का आरोप था कि कुछ प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और रसीदों की सत्यता संदिग्ध है तथा उन्हें पशुओं की अभिरक्षा दिए जाने की संभावना को लेकर आशंका व्यक्त की गई थी।

वैनगंगा नहर लाइनिंग कार्य मामले में ई ठाकुर ने कहा- खबरों में विश्वास नहीं, आप अपना काम करो मैं अपना काम करूंगा

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

हाल ही में जिले के लालबर्रा क्षेत्र में वैनगंगा दायी तट मुख्य नहर को लेकर स्थानीय समाचार पत्रों में खबरों का प्रकाशन कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को मामला संज्ञान में लाने का प्रयास किया गया था कि बारिश के पानी की बर्बादी को रोकने के लिए नहर लाइनिंग कार्य में आने वाली दरारें और ध्वस्त हो गई।

दीवारों का निर्माण कार्य आवश्यक है। जिससे पानी का रिसाव न हो सके और सरकार की मंशा भी यही थी, इसलिए भारी भरकम रकम 127 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का उपयोग कर इस मुख्य नहर का लाइनिंग सीमेंटीकरण कार्य किया गया था। विडंबना यह है कि यह कार्य कुछ साल पूर्व ही किया गया है और सीमेंटीकरण दीवारें ढहने लगी है। इसके बावजूद भी जल संसाधन विभाग सर्वेक्षण के जिम्मेदार अधिकारी देवेंद्र सिंह ठाकुर कहते हैं कि मुझे अखबारों की खबरों से कोई मतलब नहीं है और न ही अखबारों पर विश्वास है आपका जो काम है आप करें, मैं दिखाता हूं कि कहां पर दीवार धसक गई है। वहां पर काम करवाने की जिम्मेदारी मेरी है, किसानों को कैसे पानी पहुंचाना है मैं अच्छी तरह जानता हूं। एक प्रकार से यह बात ठीक भी है लेकिन मीडिया कर्मी से एक अधिकारी को ऐसा पेश आना ओछी मानसिकता को दर्शाता है कि वह खबर और सबूत के तौर पर पेश किए गए फोटोग्राफ को भी नकार रहे हैं। इससे यह समझ में आता है कि वह कहीं न कहीं इस भ्रष्ट काम में लिप्त हैं और अपनी नाकामी को छुपाना चाहते हैं।

बदहाल नहर की सच्चाई उजागर करती तस्वीर।

राष्ट्रबाण

127 करोड़ के ऊपर का कार्य होने लगा धराशाई, वैनगंगा मुख्य नहर का मामला

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

ब्रिटिश काल के दौरान वैनगंगा नदी पर बनाया गया टूटी बांध और उस बांध से निकलने वाली मुख्य नहर का लाइनिंग कार्य कुछ वर्षों पूर्व ही किया गया है। इस लाइनिंग कार्य में आने वाली लागत 127 करोड़ रुपए से भी अधिक है। बावजूद लाइनिंग कार्य दम तोड़ता हुआ नजर आ रहा है। कहीं-कहीं दरारें आनी तो आम बात हो गई है लेकिन कई स्थानों से पूरा का पूरा लाइनिंग किया हुआ सीमेंटीकरण कार्य ध्वस्त हो चुका है। इसके लिए जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार विभाग के प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। जिनके ऊपर कार्रवाई होना चाहिए। आपको बता दें कि मुख्य नहर के लाइनिंग का कार्य पानी के रिसाव को रोकने के लिए 127 करोड़ रुपए से भी ज्यादा लागत से करवाया गया था, बावजूद कार्य में गुणवत्ता न पाया जाना यह किसका दोष है ? क्यों न इस मामले में उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन किया जाए और जो व्यक्ति सही में दोषी है, उन पर दंडात्मक कार्रवाई हो।

इनका कहना है -

मैं दिखवाता हूं, पता करवाता हूं, बात करता हूं।

-उदय सिंह परते, जल संसाधन सर्वेक्षण विभाग बालाघाट

Send a gift

Seoni Edition
06 Jun, 2026 Page No.3

राष्ट्रबाण में प्रकाशित खबर।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 10 जून 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

कप्तान हो तो ऐसा!...

अपराधियों में खौफ, जनता के दिलों पर राज

सिवनी एसपी कृष्ण लालचंदानी की 'सिंघम' स्टाइल कार्यशैली

सादगी, संवेदनशीलता और कड़क अनुशासन का बेजोड़ संगम हैं सिवनी के नए पुलिस कप्तान। वह देर रात तक दफ्तर में जागकर बुनते हैं सुरक्षा का ताना-बाना, पुलिसिंग ऐसी की अपराधियों की कमर तोड़ रहे है और आम जनता में कानून के प्रति विश्वास मजबूत कर रहे है।

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

पुलिस हमेशा देर से पहुंचती है और अपराधी वारदात को अंजाम देकर रफूचक्कर हो जाते हैं... सिनेमा के पर्दों से लेकर आम जनमानस के बीच बनी इस रूढ़िवादी धारणा और मिथक को सिवनी जिले में पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। सिवनी की जनता ने इतिहास में कई पुलिस कप्तान देखे हैं। किसी की पहचान उनके तेजतर्रार रवैये से थी, तो कोई अपने बेहद शालीन व्यवहार के लिए जाना जाता था। लेकिन वर्तमान पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने जिले में एक नई और अनूठी कार्यप्रणाली की शुरुआत की है। उनकी सादगी, अटूट कर्तव्यनिष्ठा, अपराधियों पर बिजली की तरह गिरने वाली तेजतर्रार कार्यशैली और उनके सीने में धड़कता एक संवेदनशील इंसान का दिल... इन सबने मिलकर न केवल सिवनी की आम जनता, बल्कि खुद पुलिस महकमे के अधिकारी-कर्मचारियों को भी उनका मुरीद बना दिया है।

आमतौर पर यह देखा जाता है कि वरिष्ठ अधिकारी अपने निर्धारित कार्यालयीन समय में जनसुनवाई और फाइलों का निपटारा करने के बाद अपने शासकीय बंगले की ओर रुख कर लेते हैं। उसके बाद कानून-व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी थाना प्रभारियों, बीट प्रभारियों और उनके मातहत स्टाफ के कंधों पर छोड़ दी जाती है। लेकिन सिवनी के वर्तमान एसपी इस ढर्रे से बिल्कुल जुदा हैं।

एसपी कृष्ण लालचंदानी सुबह अपने बंगले से निर्धारित समय पर निकलते हैं और कार्यालय पहुंचते ही पूरी तरह से एक्शन मोड में आ जाते हैं। उनका अधिकतम समय दूर-दराज के गांवों और कस्बों से आए आम नागरिकों की पीड़ा और समस्याओं को सुनने में बीतता है। लेकिन असली कहानी सूरज ढलने के बाद शुरू होती है। जिले में अमन-चैन कायम रहे और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे, इसके लिए वे देर रात तक अपने दफ्तर की कुर्सी पर डटे रहते हैं। वे रात के सन्नाटे में अपनी पूरी टीम की लोकेशन और जिले भर की गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हैं।

साहब की नजरों से कुछ नहीं छिपता, पुलिस सूत्रों की मानें तो कप्तान को मिलने वाली हर एक गुप्त सूचना पर वे खुद बारीकी से काम करते हैं। सूचना को संबंधित विभागीय अधिकारियों तक समय पर पहुंचाना और जब तक उस पर ठोस दंडात्मक कार्रवाई न हो जाए, तब तक उसकी पल-पल की मॉनिटरिंग करना कप्तान के रोजाना के व्यवहार में शामिल हो चुका है।

गौवंश तस्करी और दंगों की साजिश को किया नाकाम, देश-प्रदेश में गूंजी कार्रवाई की गूंज

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के कार्यभार संभालते ही सिवनी पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ जो आक्रामक रुख अपनाया, उसने पूरे प्रदेश और देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। जिले में सालों से पैर पसार चुके गौवंश तस्करी के नेटवर्क, अवैध बूचड़खानों और विशेषकर बकरीद के त्योहार के दौरान गौवंश की हत्या की बड़ी और खौफनाक साजिश रचने वाले असामाजिक तत्वों पर सिवनी पुलिस ने जो सर्जिकल स्ट्राइक की, उसकी चौतरफा तारीफ हो रही है।

इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के जरिए कप्तान ने न केवल 50 से अधिक बेकसूर गौवंश को कटने से बचाया, बल्कि शहर को सांप्रदायिक नफरत की आग में झोंकने और दंगे भड़काने की साजिश को समय रहते पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया। पुलिस की इस मुस्तैदी ने समाज के अमन-पसंद नागरिकों के दिलों में कानून और खाकी के प्रति अटूट विश्वास पैदा किया है। अपराधियों को यह साफ संदेश मिल चुका है कि यदि सिवनी की धरती पर अपराध करने की सोची भी, तो खैर नहीं।

खाकी के पीछे की इंसानियत, मातहतों के लिए संवेदनशीलता

देर रात तक दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अफसरों के साथ आमतौर पर उनके स्टाफ को भी बिना थके डटे रहना पड़ता है, जिससे कर्मचारियों में मानसिक तनाव बढ़ता है। लेकिन सिवनी एसपी के मामले में तस्वीर बिल्कुल उलट है। विभाग में बैठे इस शीर्ष अधिकारी का दिल इंसानियत और संवेदनशीलता से ओतप्रोत है। नाम न छापने की शर्त पर एसपी कार्यालय में पदस्थ एक पुलिसकर्मी ने भावुक होते हुए बताया कि चूंकि साहब देर रात तक कार्यालय में रहकर खुद काम करते हैं, इसलिए नैतिक रूप से हमें भी उनके साथ रुकना पड़ता है। लेकिन साहब हमारे चेहरों की थकान को तुरंत भांप लेते हैं। वे अक्सर हमसे बेहद आत्मीयता से कहते हैं, तुम लोग दिनभर से काम कर रहे हो, थक गए होगे, अब घर जाओ और आराम करो। शीर्ष अधिकारी का यह अपनत्व भरा व्यवहार हमें अपनी थकान भुला देता है और हमारे अंदर अपने कर्तव्यों के प्रति साहब की तरह ही सजग और ईमानदार रहने की प्रेरणा जगाता है।

चुनौतियां अभी और भी हैं, अब इन संगठित अपराधों पर प्रहार की आस में जनता

कप्तान के कुशल निर्देशन में पुलिस की प्रभावी और ताबड़तोड़ कार्रवाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। अपराधियों के हौसले पस्त हो चुके हैं, लेकिन सिवनी की सजग जनता की उम्मीदें अब अपने चहेते कप्तान से और ज्यादा बढ़ गई हैं। शहर और ग्रामीण इलाकों के प्रबुद्ध नागरिकों को पूरा भरोसा है कि जिस तरह एसपी साहब ने गौवंश तस्करों और दंगाइयों की कमर तोड़ी है, ठीक उसी तरह वे जिले की अन्य प्रमुख समस्याओं पर भी अपना थर्ड आई एक्शन शुरू करेंगे।

भयमुक्त सिवनी का नया सवेरा

सख्त अनुशासन और इंसानियत के इस नायाब तालमेल ने सिवनी जिले में पुलिसिंग की परिभाषा को बदल कर रख दिया है। जब अमले का सेनापति खुद रात-रात भर जागकर जिले की सुरक्षा की कमान संभाले हुए हो, तो जनता का चैन से सोना लाजिमी है। सिवनी की जनता अब पूरी तरह आश्वस्त है कि कप्तान कृष्ण लालचंदानी के रहते जिले में कोई भी अपराधी या माफिया सिर उठाने की जुर्रत नहीं कर सकता। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पुलिस अधीक्षक का यह 'क्रैकडाउन' मोड सिवनी को पूरी तरह से अपराधमुक्त, शांत और भयमुक्त जिला बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

इन अपराधों के खिलाफ लड़नी होगी निर्णायक जंग

- **अवैध नशा और ड्रग्स का जाल:** शहर और जिले के युवाओं की नसों में जहर घोलने वाले सफेद पाउडर (स्मैक), गांजा और प्रतिबंधित नशीली दवाइयों के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई।
- **अवैध शराब और माफिया:** गली-मोहल्लों और ढाबों पर धड़ल्ले से बिकने वाली अवैध शराब और इसके सिंडिकेट को पूरी तरह ध्वस्त करना।
- **जुआ और सट्टा के अड्डे:** जुए-सट्टे के जरिए परिवारों को बर्बाद करने वाले खाईवालों पर नकेल कसना।
- **उभरता हुआ गैंगवार:** शहर के कुछ इलाकों में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर सिर उठा रहे छोटे-मोटे अपराधियों और गैंगवार की प्रवृत्ति को शुरुआती स्तर पर ही कुचलना।

डिजिटल इंडिया का अजब-गजब खेल

फोटो में मुस्कुराते मोदी-मोहन, धरातल पर खाद के लिए तड़पते किसान!

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

एक तरफ हुक्मरानों की रैलियों में मंच से चिल्लाकर कहा जाता है 'अभिनंदन करो, जयकार करो!' मंच के नीचे खड़ी भोली-भाली जनता हाथ उठा-उठाकर अभिनंदन भी करती है। लेकिन जब बात धरातल की हकीकत पर आती है, तो यह अभिनंदन पूरी तरीके से 'शून्य' साबित होता है। आज किसान यूरिया और डीएपी की एक-एक बोरी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहा है, मगर सत्ता के गलियारों में बैठे नेताजी अपने आकाओं की जुमलेबाजी और चाटुकारिता से बाज नहीं आ रहे हैं।

फोटो वाली राजनीति वनाम किसान की लाचारी

इस कूपन की सबसे दिलचस्प और दर्दनाक बात यह है कि इस कागज के टुकड़े पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूबे के मुख्यमंत्री मोहन यादव की मुस्कुराती हुई तस्वीरें बड़ी शान से छपी हैं। कूपन पर लिखा है कि अन्नदाताओं का आभार। लेकिन धरातल पर हकीकत यह है कि किसानों को इन तस्वीरों की मुस्कुराहट नहीं, बल्कि अपनी फसलों को जिंदा रखने के लिए यूरिया और डीएपी चाहिए। यह बेहद दुख और शर्म का विषय है कि जब किसान अपना जरूरी काम छोड़कर दिन-भर सोसायटियों के चक्कर काटता है और अंत में उसे दुत्कार दिया जाता है, तो वह खून के आँसू रोने पर मजबूर हो जाता है। ऐसे वक्त में वह यह सोचने पर मजबूर हो जाता है कि लोकतंत्र के इस पर्व में नेताओं को 'वोट' देना उसकी जिंदगी की कितनी बड़ी भूल थी!

जिला प्रबंधक को साहबगिरी से फुर्सत नहीं!

इस पूरे महाघोटाले और मिसमैनेजमेंट पर जब जिम्मेदार अधिकारी, जिला प्रबंधक के.के. सोनी से बात करने की कोशिश की गई और उनका पक्ष जानना चाहा, तो उन्होंने मीडिया का फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझा। शायद साहब को एयरकंडीशनर कमरों में बैठकर किसानों की इस त्राहि-त्राहि को सुनने की फुर्सत नहीं है, या फिर उनके पास इस डिजिटल विफलता का कोई जवाब ही नहीं है। अब देखना यह है कि इस डिजिटल अंधेरगर्दी पर प्रशासन कब जागता है, या फिर अन्नदाता यूँ ही कागजी कूपन और मुस्कुराती तस्वीरों के सहारे अपनी किस्मत को कोसता रहेगा।

चुनाव में वादों की झड़ी

जब चुनाव आते हैं, तो ये राजनेता किसानों के पैरों में गिर जाते हैं। मंचों से बड़ी-बड़ी डींगें हांकी जाती हैं, घोषणाओं के पुल बांधे जाते हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव खत्म होते हैं, जमीनी हकीकत पर कोई अमल नहीं होता। किसान को अपनी ही फसल के लिए किसी भिखारी की तरह कतारों में खड़ा कर दिया जाता है।

मध्य प्रदेश की तथाकथित हाईटेक संचालनालय किसान कल्याण तथा कृषि विकास की ई-विकास प्रणाली का एक ऐसा अजब-गजब और शर्मनाक कारनामा सामने आया है, जिसे देखकर आप भी माथा पीट लेंगे।

मामला सिवनी जिले के धनौरा ब्लॉक का है। यहाँ के एक पीड़ित किसान ने फसल की बुआई के लिए इस सरकारी सिस्टम पर भरोसा करके ऑनलाइन उर्वरक कूपन बुक किया। टोकन जनरेट हुआ मात्र पांच बोरी डीएपी का। लेकिन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के इस अंधे सिस्टम ने धनौरा के किसान को उसके घर के पास खाद देने के बजाय, 55 किलोमीटर दूर ग्राम शीलादेही सहकारी समिति का पता थमा दिया।

सोचिए, एक किसान अपनी गाढ़ी कमाई और कीमती वक्त निकालकर, भारी उम्मीदों के साथ 55 किलोमीटर का सफर तय करके शीलादेही सोसाइटी पहुँचता है। लेकिन वहाँ पहुँचते ही उसे जो सरकारी जवाब मिला है, उसने पूरे सिस्टम की पोल खोलकर रख दी!

वहाँ मौजूद प्रबंधक ने कह कि आप जिस समिति के सदस्य हैं, खाद वहीं से मिलेगी। यह टोकन यहाँ मान्य नहीं है, यह अपने आप कैंसिल हो जाएगा। वही सुलगता सवाल यह है कि जब नियम ही ऐसा है, तो कूपन का खेल क्यों? वही अब जनता और किसान सरकार और प्रशासन से सीधा तीखा सवाल पूछ रहे हैं कि जब नियम यही है कि किसान को उसी की मूल समिति से यूरिया और डीएपी मिलेगा, तो फिर इस 'ई-विकास प्रणाली' के जरिए दूसरी सोसायटियों के कूपन क्यों काटे जा रहे हैं? क्या यह किसानों के साथ सरेआम लूट, मानसिक प्रताड़ना और धोखाधड़ी नहीं है? 55 किलोमीटर आने-जाने का जो पैसे, डीजल और समय बर्बाद हुआ, उसका हर्जाना कौन देगा?

सड़क किनारे से दर्जनों अतिक्रमण हटाए

सिवनी। सिवनी नगर पालिका परिषद ने मंगलवार को शहर में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। जेसीबी और डम्फर के साथ निकली टीम ने सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों से दर्जनों स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण हटाए। इस अभियान से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया और कई लोग अपना सामान हटाते दिखे। कार्रवाई से पहले नगर पालिका ने सुबह शहर के प्रमुख मार्गों पर मुनादी कराकर अतिक्रमणकारियों को स्वयं कब्जा हटाने की चेतावनी दी थी। चेतावनी के बाद दोपहर में नगर पालिका की टीम जेसीबी मशीन और अन्य संसाधनों के साथ कार्रवाई के लिए निकली। अभियान की शुरुआत बस स्टैंड के आगे दलसागर तालाब के किनारे से हुई।

भगवान बिरसा मुंडा बलिदान दिवस, गोंडी रीति-रिवाज से पुष्पांजलि अर्पित

कांग्रेस जिला अध्यक्ष बोले- बिरसा ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी शहर में गांधी चौक स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक स्थल पर आदिवासी समाज और सर्व समाज ने मंगलवार को बिरसा मुंडा का बलिदान दिवस मनाया। समाजजनों ने गोंडी रीति-रिवाज से भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित कर पूजा-अर्चना की और वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेश मरावी ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष को याद करते हुए बताया कि उन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों, जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने कम उम्र में ही जनजातीय समाज को संगठित कर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाई, जिसने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संकल्प: पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मोहन सिंह चंदेल ने भगवान बिरसा मुंडा को पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि उनके विचार आज भी समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में उनके जीवन से जुड़े प्रसंगों को साझा कर युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया गया। अंत में सभी लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा के बताए मार्ग पर चलने और समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

बिना परमिट दौड़ रही बस पर 10 हजार का तगड़ा जुर्माना

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला मुख्यालय में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले बेलगाम वाहन चालकों और बस ऑपरेटरों के खिलाफ सिवनी पुलिस ने अब अपना रुख बेहद कड़ा कर लिया है। शहर की सड़कों को अपनी जागीर समझकर बिना वैध दस्तावेजों के धड़ल्ले से सवारी ढोने वाली एक बस पर यातायात पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए भारी-भरकम जुर्माना ठोका है। इस बड़ी कार्रवाई से नियम विरुद्ध वाहन संचालित करने वाले भू-माफियाओं और ऑपरेटरों के हौसले पस्त हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, बस स्टैंड के ठीक बाहर सड़क पर सरेआम लापरवाहीपूर्वक वाहन खड़ा कर सवारियां भरने का खेल चल रहा था। बस क्रमांक एमपी51पी0139 के चालक-परिचालक यातायात व्यवस्था को ठेंगा दिखाकर बीच सड़क पर अराजकता फैला रहे थे। जब थाना प्रभारी यातायात ने घेराबंदी कर इस बस को रोका और दस्तावेजों को खंगाला, तो पुलिस भी दंग रह गई। यात्रियों की जान जोखिम में डालकर दौड़ रही इस बस के पास कोई भी वैध परमिट मौजूद नहीं था।

मौके पर ही वसूला समन शुल्क, पुलिस की दो टूक चेतावनी

बिना परमिट के कमर्शियल परिवहन के इस गंभीर अवैध खेल पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए यातायात पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत ऑन-द-स्पॉट चालानी कार्रवाई की। नियमों को ताक पर रखने वाली इस बस पर दस हजार रुपये का तगड़ा जुर्माना ठोककर मौके पर ही समन शुल्क वसूल किया गया।

वही पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के कड़े निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में हुई इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि सिवनी की सड़कों पर अब गुंडागर्दी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने में यातायात थाना प्रभारी के साथ सहायक उप निरीक्षक नानकराम पाल, आरक्षक राजेश सरयाम और आरक्षक चालक पंकज शर्मा की मुख्य भूमिका रही। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यदि आगे भी किसी ने बिना परमिट या नियमों के विरुद्ध जाकर सड़कों पर मनमानी करने की कोशिश की।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433